अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 16 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण पंचमी
विक्रम संवत 2082

PAGE NO, 09

युवा कवियों ने खूब बटोरीं तालियां

रिद्धिमा के साहित्य सरिता कार्यक्रम में मंच पर मौजूद कवि । *स्रोत : संस्था*

रिद्धिमा में साहित्य सरिता में हर विषयों पर दर्शकों ने सुना काव्य पाठ

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम को हिंदी काव्य संध्या 'साहित्य सरिता' का आयोजन किया गया। इसमें नवोदित कवियों ने मंच से अपने गीतों और मुक्तकों के माध्यम से प्रेम, देशप्रेम, माता-पिता के त्याग, बेटी, सामाजिक सद्भाव, भ्रष्टाचार को केंद्रित कर काव्य पाठ किया। इस दौरान हर कवि को हर पंक्ति पर दर्शकों की वाह वाह और हर अंतरे पर तालियां मिलीं।

कार्यक्रम का आरंभ प्रयागराज के कवि ज्ञानेंद्र शर्मा प्रयागी ने परिवार में पिता की भूमिका को अपनी कविता में रेखांकित कर किया। बोले- दुख का मंजर इधर आया, हर समंदर इधर आया।

तब पिता ने कहा मैं हूं खड़ा, जब एक खंजर इधर आया। अपनी कविता में मां दूसरी कविता में विरह का जिक्र किया। भोजीपुरा के शक्ति सिंह, बदायूं के विवेक मिश्रा, शतवदन शंखधार, कवियत्री उन्नति राधा शर्मा, विश्वजीत सिंह निर्भय, अभिषेक चित्रांश ने काव्य पाठ किया।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ.शैलेश सक्सेना, कवियत्री सोनरूपा विशाल, कवि रोहित राकेश आदि मौजूद रहे।